अथ ईश्वर के
… का विचार

… तत्त्वान्तर … प्राङ्मुख वा प
श्चिममुख वैठके सत मे ध्यान ॥ पोथी प्रमाण
नक्के मकरसंक्रान्ति तौ वा प्राङ्मुख वा पश्चिममुख
… से ध्यान ॥ … जे … प्रमेय जे

श्रीकापीगृहारम्भ ॥
गृहप्रवेश की है पत्र ८

2